मत्स्य पालन सहकारी समितियों को मजबूत करने के लिए भा कृ अनु प –के मा शि सं और वैमनीकॉम में समझौता ज्ञापन

मत्स्य पालन और जलीय कृषि क्षेत्र में सहकारी प्रबंधन के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान (आईसीएआर-सीआईएफई), मुंबई और वैकुंठ मेहता राष्ट्रीय सहकारी प्रबंधन संस्थान (वैमनीकॉम), पुणे ने 26 अगस्त, 2024 को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। मुंबई में **भा कृ अनु प –के मा शि सं** परिसर में आयोजित समारोह में संस्थान के निदेशक और कुलपति डॉ. रविशंकर सी.एन. और वैमनीकॉम की निदेशक डॉ. हेमा यादव ने समझौता पर हस्ताक्षर किए । उद्घाटन समारोह में दोनों संस्थानों के वैज्ञानिकों और संकाय सदस्यों ने भी भाग लिया। समझौता ज्ञापन का उद्देश्य आईसीएआर-सीआईएफई और वैमनीकॉम के बीच तालमेल को मजबूत करना है, जिससे मत्स्य पालन सहकारी प्रबंधन प्रथाओं को बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त होगा। इस साझेदारी के माध्यम से, संस्थान अनुसंधान, प्रशिक्षण और विकास पहलों पर सहयोग करेंगे, जिनसे सहकारी पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन रणनीतियों और प्रथाओं में सुधार करके मत्स्य पालन और जलीय कृषि क्षेत्र पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। डॉ. रविशंकर सी. एन. ने सहयोग के बारे में उत्साह व्यक्त किया, यह देखते हुए कि समझौता ज्ञापन दोनों संस्थानों के साझा लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण का प्रतिनिधित्व करता है। "यह साझेदारी न केवल हमारी शोध क्षमताओं को मजबूत करेगी, बल्कि प्रभावशाली प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करके हमारी पहुंच को भी बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि हम मत्स्य पालन सहकारी प्रबंधन में संभावित प्रगति के बारे में उत्साहित हैं जो इस सहयोग से उभरेगी,"। डॉ. हेमा यादव ने इन भावनाओं को दोहराया,तथा समझौता ज्ञापन से होने वाले पारस्परिक लाभों और अवसरों पर प्रकाश डाला। "**भा कृ अनु प –के मा शि सं**" के साथ मिलकर, हम मत्स्य पालन और जलीय कृषि क्षेत्र में सहकारी प्रबंधन सिद्धांतों को एकीकृत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठा रहे हैं। यह सहयोग हमें नवाचार को आगे बढ़ाने और बोर्ड भर में प्रथाओं को बेहतर बनाने के लिए एक-दूसरे की विशेषज्ञता और संसाधनों का लाभ उठाने में सक्षम करेगा। **भा कृ अनु प –के मा शि सं** के संयुक्त निदेशक डॉ. एन. पी. साहू ने मत्स्य सहकारी समितियों के प्रशिक्षण की आवश्यकता का आकलन, वितरित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रभाव का आकलन, छात्र उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण, मत्स्य विभाग के अधिकारियों और बेरोजगार युवाओं के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करना आदि जैसे सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों पर प्रकाश डाला। समारोह का समापन समझौता ज्ञापन में रेखांकित लक्ष्यों के प्रति साझा प्रतिबद्धता के साथ हुआ, जिसमें मत्स्य सहकारी समितियों पर अनुसंधान और परामर्श में उपयोगी सहयोग, मत्स्य पालन और सहकारी प्रबंधन में ज्ञान और विशेषज्ञता का आदान-प्रदान, हितधारकों का प्रशिक्षण और छात्र इंटर्नशिप और मत्स्य सहकारी समितियों में व्यावसायिक/प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम, सैंडविच प्रशिक्षण कार्यक्रम, व्यवसाय इनक्यूबेशन आदि के विकास के लिए रणनीतिक गठबंधन के लिए मंच तैयार किया गया, जो मछली किसानों, मछली पकड़ने वाले समुदायों और अन्य लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए "सहकार से समृद्धि" के मंत्र के प्रति प्रतिबद्धता का वादा करता है।